राज्यपाल सचिवालय
राज भवन, जयपुर

राज्यपाल ने सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय की तीन पुस्तकों का लोकार्पण किया

आंतरिक सुरक्षा के साथ अन्वेषण की पुलिस संस्कृति पर विश्वविद्यालय के कार्य सराहनीय - राज्यपाल

जयपुर, 30 सितंबर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने शनिवार को राजभवन में सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस सिक्योरिटी एंड क्रिमिनल जस्टिस, जोधपुर द्वारा प्रकाशित बाल तस्करी और बाल श्रम पुलिस हैंड बुक, भारत और संयुक्त राष्ट्र के आलोक में बदलते संदर्भ और विश्वविद्यालय की तीन वर्ष की उपलब्धियों और किए प्रमुख कार्यों पर प्रकाशित तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों का लोकार्पण किया।

राज्यपाल श्री मिश्र ने इस दौरान कहा कि पुलिस आंतरिक सुरक्षा के साथ अपराध अन्वेषण की जिस संस्कृति से जुड़ी है, उसको इन पुस्तकों से गहरे से समझा जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किए जाने वाले शोध और अनुसंधान का व्यापक जन हित में अधिकाधिक प्रसार किए जाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की भारत के साथ संबंधों पर विश्वविद्यालय ने पहल करते हुए अनुकरणीय प्रकाशन किया है। इसे पाठकों तक पहुंचाने के लिए भी अधिकाधिक प्रयास होने चाहिए।

इस अवसर पर सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस सिक्योरिटी एंड क्रिमिनल जस्टिस, जोधपुर के कुलपति श्री आलोक त्रिपाठी ने लोकार्पित पुस्तकों और पुलिस विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविंद राम जायसवाल और विश्वविद्यालय के आचार्य उपस्थित रहे।

जयपुर में 'नेशनल कार्डियोलॉजी कॉन्फ्रेन्स–कार्डिक प्रिवेंट–2023' का हुआ शुभारम्भ

हृदय रोगों से बचाव और समय पर इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित हो – राज्यपाल

जयपुर, 30 सितम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने चिकित्सकों का आह्वान किया है कि वे भारत में हृदय रोगों से बचाव और समय पर इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए कार्य करें। उन्होंने तेजी से बढ़ते हृदय रोगों पर चिंता जताते हुए कहा कि हृदय रोगों से बचाव के लिए सभी के लिए सस्ता और सुलभ इलाज चिकित्सकों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्री मिश्र शनिवार को एक होटल में 'नेशनल कार्डियोलॉजी कॉन्फ्रेन्स–कार्डिक प्रिवेंट–2023' के उद्घाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कोविड के विकट दौर के बाद कम उम्र में हृदय से संबंधित बीमारियों के बढ़ने और इससे होने वाली मौतों की चर्चा करते हुए कहा कि इस पर चिकित्सा विशेषज्ञों को ध्यान देकर शोध–अनुसंधान के जरिए उपचार के नवीन तरीकों पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने चिकित्सा विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे कोई ऐसा मॉडल विकसित करें जिसके तहत हृदय रोगों के होने से पहले ही बचाव के लिए प्रभावी कार्य देशभर में होसके।

राज्यपाल ने सुझाव भी दिया कि है केवल हृदय रोग विशेषज्ञ ही नहीं, सामान्य रोगों के चिकित्सकों को भी इस तरह से दक्ष–प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे हृदय रोगों के उपचार मेंसहायकबनसकें।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवसाय नहीं सबसे पवित्र सेवा कार्य है। चिकित्सक को चाहिए कि वह कम से कम दवा और सस्ता सुलभ इलाज करते हुए अपने रोगियों को ठीक करने की दिशा मेंकार्यकरें।

इससे पहले कॉन्फ्रेंस से जुड़े विभिन्न सत्रों और विषयों के बारे में डॉ. समीन शर्मा, डॉ. विजय हरिकिसन, डॉ. राजीव गुप्ता, डॉ. राजीव बगरहट्टा और डॉ. दीपक माहेश्वरी ने विस्तृत जानकारी दी।